10. क्रिया

हम प्रतिदिन कुछ न कुछ काम करते ही हैं। यही काम का करना या होना क्रिया कहलाता है। कुछ काम प्राणी करते हैं तथा कुछ काम स्वयं होते हैं जिन्हें प्रकृति करती है। जैसे– हवा का चलना, वर्षा होना आदि।

शिक्षण-संकेत

- ❖ व्याकरण का कोई भी विषय यदि दिन-प्रतिदिन की घटनाओं या वस्तुओं आदि के उदाहरणों द्वारा समझाया जाए तो छात्रों को सरलता से समझ आता है। क्रिया को इन्हीं रोज़मर्रा के उदाहरणों द्वारा समझाने का प्रयास करें।
- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्र-छात्राओं से पूछें कि वे प्रतिदिन क्या-क्या काम करते हैं। ऐसे कौन-से काम हैं जो वे छुट्टी वाले दिन ही करते हैं आदि बातचीत द्वारा छात्रों का ध्यान पाठ की ओर दिलाएँ।
- ❖ पूछें, क्रिया से वे क्या समझते हैं।
- ❖ छात्रों को अभिव्यक्ति का उचित अवसर दें।
- ❖ पाठ पृष्ठ 64 पर दिए चित्रों की क्रिया छात्रों से लिखने को कहें तथा कार्य का करना, कार्य का होना का अंतर स्पष्ट करें।
- ❖ समझाएँ, जो काम को करता है वह क्रिया का कर्ता होता है। क्रिया का धातु रूप बताते हुए समझाएँ कि क्रिया के मूल रूप को धातु कहा जाता है। यह भी बताएँ कि क्रिया के बिना वाक्य पूर्ण नहीं हो सकता।
- ❖ छात्रों से क्रिया के भेदों के बारे में पूछें।
- ❖ तदुपरांत समझाएँ कर्म के आधार पर क्रिया सकर्मक और अकर्मक होती है।
- ❖ पृष्ठ 65-66 पर दिए भेदों के उदाहरणों की सहायता से अकर्मक-सकर्मक क्रिया का अंतर स्पष्ट करें।
- ❖ समझाएँ, सकर्मक-अकर्मक क्रिया की पहचान के लिए वाक्य की क्रिया के साथ केवल 'क्या' लगाकर प्रश्न करें। यदि उत्तर मिलता है तो क्रिया सकर्मक होती है और यदि कुछ उत्तर प्राप्त नहीं होता तो क्रिया अकर्मक होती है।
- ❖ पूछें कि छात्र क्रिया को ठीक प्रकार समझ पा रहे हैं या नहीं।
- ❖ सकर्मक क्रिया के भेदों– एककर्मक, द्विकर्मक से भी परिचित कराएँ। समझाएँ, द्विकर्मक क्रिया की पहचान के लिए क्रिया के साथ 'क्या तथा किसे' लगाकर प्रश्न करें। यदि दोनों प्रश्नों के उत्तर प्राप्त हों तब समझ जाएँ कि क्रिया में दो कर्म हैं।
- ❖ सुनिश्चित कर लें कि छात्र भली-भाँति समझ गए हैं या नहीं।